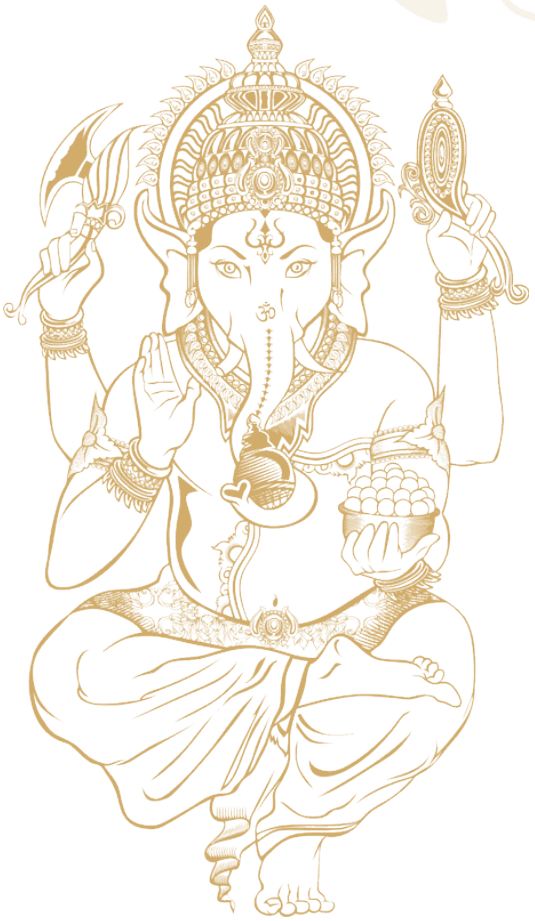

??? ?????

15 Mar 2002

05:18 PM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121166806

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15/03/2002**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**17:18:00 घंटे**
इष्ट	28:17:06 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:28:48 घंटे
वेलान्तर	-00:09:01 घंटे
साम्पातिक काल	05:00:27 घंटे
सूर्योदय	05:59:09 घंटे
सूर्यास्त	17:57:41 घंटे
दिनमान	11:58:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	00:49:54 मीन
लग्न के अंश	22:42:03 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शुक्ल
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ञ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	22:42:03	324:14:08	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			मीन	00:49:54	00:59:48	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			मीन	16:07:45	11:53:16	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
मंगल			मेष	15:53:20	00:42:03	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	स्वराशि
बुध			कुंभ	11:34:27	01:35:26	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु			मिथु	12:03:12	00:02:41	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	15:20:40	01:14:31	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि			वृष	15:17:59	00:03:47	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		वृष	28:09:43	00:13:36	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	28:09:43	00:13:36	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	02:36:25	00:03:09	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
नेप			मक	16:11:07	00:01:45	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:44:18	00:00:10	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			वृष	22:24:22	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:59

लग्न-चलित

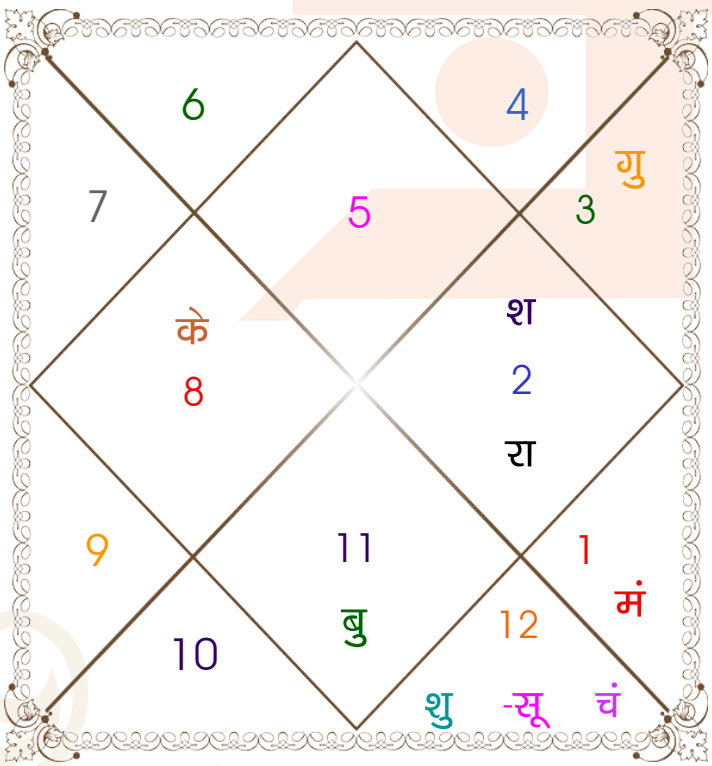

चन्द्र कुंडली

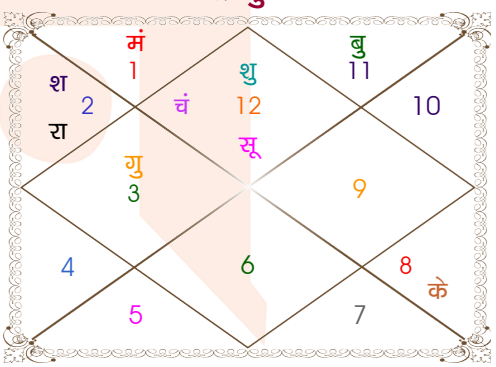

नवमांश कुंडली

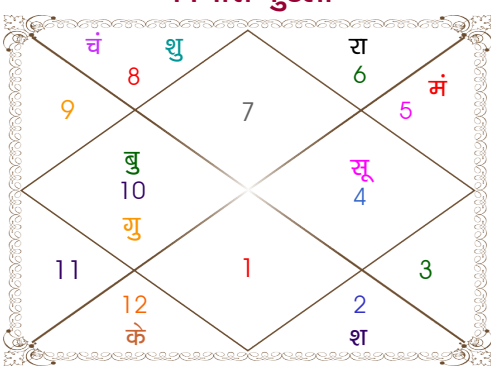

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 0 वर्ष 9 मास 5 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
15/03/2002		20/12/2002		20/12/2019		20/12/2026		20/12/2046	
20/12/2002		20/12/2019		20/12/2026		20/12/2046		19/12/2052	
	00/00/0000	बुध	18/05/2005	केतु	17/05/2020	शुक्र	20/04/2030	सूर्य	09/04/2047
	00/00/0000	केतु	15/05/2006	शुक्र	17/07/2021	सूर्य	21/04/2031	चंद्र	08/10/2047
	00/00/0000	शुक्र	15/03/2009	सूर्य	22/11/2021	चंद्र	19/12/2032	मंगल	13/02/2048
	00/00/0000	सूर्य	19/01/2010	चंद्र	23/06/2022	मंगल	19/02/2034	राहु	07/01/2049
	00/00/0000	चंद्र	21/06/2011	मंगल	20/11/2022	राहु	18/02/2037	गुरु	26/10/2049
	00/00/0000	मंगल	17/06/2012	राहु	08/12/2023	गुरु	20/10/2039	शनि	08/10/2050
	00/00/0000	राहु	04/01/2015	गुरु	13/11/2024	शनि	20/12/2042	बुध	14/08/2051
	15/03/2002	गुरु	11/04/2017	शनि	23/12/2025	बुध	20/10/2045	केतु	20/12/2051
गुरु	20/12/2002	शनि	20/12/2019	बुध	20/12/2026	केतु	20/12/2046	शुक्र	19/12/2052

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/12/2052		20/12/2062		20/12/2069		20/12/2087		21/12/2103	
20/12/2062		20/12/2069		20/12/2087		21/12/2103		16/03/2122	
चंद्र	20/10/2053	मंगल	18/05/2063	राहु	01/09/2072	गुरु	06/02/2090	शनि	24/12/2106
मंगल	21/05/2054	राहु	05/06/2064	गुरु	25/01/2075	शनि	20/08/2092	बुध	02/09/2109
राहु	20/11/2055	गुरु	11/05/2065	शनि	01/12/2077	बुध	26/11/2094	केतु	12/10/2110
गुरु	21/03/2057	शनि	20/06/2066	बुध	20/06/2080	केतु	01/11/2095	शुक्र	12/12/2113
शनि	20/10/2058	बुध	18/06/2067	केतु	08/07/2081	शुक्र	02/07/2098	सूर्य	24/11/2114
बुध	21/03/2060	केतु	14/11/2067	शुक्र	08/07/2084	सूर्य	21/04/2099	चंद्र	24/06/2116
केतु	20/10/2060	शुक्र	13/01/2069	सूर्य	02/06/2085	चंद्र	21/08/2100	मंगल	03/08/2117
शुक्र	20/06/2062	सूर्य	21/05/2069	चंद्र	02/12/2086	मंगल	28/07/2101	राहु	09/06/2120
सूर्य	20/12/2062	चंद्र	20/12/2069	मंगल	20/12/2087	राहु	21/12/2103	गुरु	16/03/2122

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 0 वर्ष 9 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगी।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाली हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करती हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगी। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगी तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगी तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगी। आपको एक स्थान से अन्य भीड़ भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करती हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

अपने समझदार पति एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पति एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपने जीवन संगी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगी। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य पुरुष को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपने पति को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहती हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगी। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो आपको अपनी वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगी तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगी। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति की महिला हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखती तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगी। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सकी तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकती हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।